प्रदेश के उत्पाद जमाएंगे धाक

बस्ती के सिरके की खूबी और स्वाद से वाकिफ होगा पूरा देश

विविधता और मिठास में लखीमपुर देगा मुजफ्फरनगर के गुड़ को टक्कर, आस्था के सभी केंद्रों पर होगी मथुरा के कंठी और ठाकुर जी के पोशाक की मांग

अनिल श्रीवास्तव

लखनऊ। अब बस्ती के सिरके की खूबी और स्वाद से पूरा देश वाकिफ होगा। लखीमपुर का गुड़ मिठास और विविधता में मुजफ्फरनगर के गुड़ से होड़ लेगा। कन्नौज सिर्फ अपने इत्र ही नहीं अगरबत्ती और धूप बत्ती की सुगंध के लिए भी जाना जाएगा। मथुरा की कंठी और ठाकुरजी के पोशाक की आस्था के सभी केंद्रों पर पूछ बढ़ेगी। प्रधानमंत्री का संसदीय क्षेत्र वाराणसी सिर्फ साड़ियों के लिए ही नहीं, गुलाबी मीनाकारी और लकड़ी के खिलौने के लिए भी जाना जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार की ओडीओपी फ्लैगशिप योजना है। इसकी शुरुआत 24 जनवरी 2018 को हुई थी। योजना काफी सफल रही। यही वजह रही कि केंद्र सरकार ने भी अपने पिछले बजट में न केवल इसकी सराहना की बल्कि उत्तर प्रदेश में खेतीबाड़ी के लिए ऐसी ही एक योजना की भी घोषणा की।

ओडीओपी की तर्ज पर ऐसे कई अन्य उत्पादों की भी ब्रांडिंग करेगी सरकार

योगी सरकार द्वारा ओडीओपी योजना की घोषणा के बाद से ही यह सोचा जा रहा था कि कई जिले ऐसे हैं जिनके एक से अधिक उत्पाद समान रूप से लोकप्रिय हैं। इनकी ओडीओपी के तर्ज पर भी ब्रांडिंग की जा सकती है। इससे नए उत्पादों से जुड़े सभी वर्गों को लाभ होगा। प्रदेश की खूबी की रेंज बढ़ेगी। स्थानीय स्तर पर रोजगार के मौके सृजित होंगे। प्रदेश का समग्र विकास होगा। इसी के मद्देनजर जिलों के अन्य उत्पादों की ब्रांडिंग की पहल शुरू की गई है।

विविधता और परंपरागत हुनर में संपन्नता उत्तर प्रदेश की पहचान है। कई ऐसे जिले हैं जिनके एक से अधिक उत्पाद वहां की पहचान हैं। ऐसे उत्पादों को पहचानना, इनसे जुड़े लोगों को मदद, मौका और मंच देकर इनको भी ओडीओपी में शामिल उत्पादों की तरह ब्रांड के रूप में स्थापित किया जाएगा। इससे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुसार स्थानीय स्तर पर अधिक से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। साथ ही प्रदेश का समग्र विकास भी होगा। - **नवनीत सहगल**, अपर मुख्य सचिव, एमएसएमई

जिले के एक से अधिक खास उत्पादों को नई पहचान दे रही सरकार

दरअसल, योगी सरकार एक जिला एक उत्पाद की तर्ज पर यूपी की खूबी को और विस्तार देने जा रही है। इस क्रम में जिलों के एक से अधिक खास उत्पाद को ओडीओपी की तर्ज पर का नई पहचान दी जाएगी। ओडीओपी की तरह इन उत्पादों की भी सरकार ब्रांडिंग करेगी। इनसे जुड़े उत्पादकों और शिल्पकारों और हस्तशिल्पियों को सरकार हर स्तर-अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार प्रशिक्षण, डिजाइन डेवलपमेंट, मार्केटिंग और ब्रांडिंग आदि के लिए हर संभव मदद करेगी। लघु, सूक्ष्म एवं मध्यम उद्योग विभाग अब तक दो चरणों में 19 जिलों के ऐसे उत्पादों की पहचान कर चुका है। पहले चरण में अप्रैल में 20 और अक्तूबर में नौ जिलों के ऐसे उत्पादों की पहचान की जा चुकी है।

जिला	ओडीओपी उत्पाद	अन्य उत्पाद
बहराइच	गेहूं के डंठल की कलाकृतियां	खाद्य प्रसंस्करण
बरेली	जरी-जरदोजी	सुनारी और बांस के उत्पाद
आगरा	चमड़ा	संगमरमर पर जड़ाऊ
बस्ती	काष्ठकला	सिरका
देवरिया	सजावटी उत्पाद	कढ़ाई, बुनाई, रेडीमेड कपड़े
लखीमपुर	ट्राइबल क्राफ्ट	गुड़ उत्पाद
मथुरा	सेनेट्री उत्पाद	ठाकुरजी की पोशाक, शृंगार मूर्ति, कंठी-माला
अमरोहा	ढोलक	रेडीमेड कपड़े
श्रावस्ती	ट्राइबल क्राफ्ट	फर्नीचर
महोबा	गौरा पत्थर शिल्प	धातु शिल्प
आजमगढ़	काली मिट्टी की कलाकृतियां	वस्त्र उत्पाद (रेशमी साड़ी)
गोंडा	खाद्य प्रसंस्करण (दाल)	मक्का प्रसंस्करण
चित्रकूट	लकड़ी के खिलौने	काष्ठ कला उत्पाद
कुशीनगर	केले के रेशे से बने उत्पाद	केले के उत्पाद
संतकबीरनगर	पीतल के बर्तन	होजरी उत्पाद
कानपुर देहात	जस्ते के बर्तन	प्लास्टिक उत्पाद
फर्रुखाबाद	वस्त्र छपाई	सिलाई एवं वस्त्र कढ़ाई
उन्नाव	जरी-जरदोजी	चर्म उत्पाद
इटावा	वस्त्र उत्पाद	सिलाई एवं वस्त्र कढ़ाई
कन्नौज	इत्र उत्पाद	अगरबत्ती और धूप बत्ती उत्पाद
वाराणसी	रेशम उत्पादन	गुलाबी मीनाकारी,लकड़ी के खिलौने
सुल्तानपुर	मूंज उत्पाद	आयरन एवं स्टील फैब्रीकेशन
कानपुर नगर	चमड़े के उत्पाद	होजरी एवं टेक्सटाइल उत्पाद
मैनपुरी	तारकशी कला	वस्त्र सिलाई-कढ़ाई (जरी-जरदोजी)
प्रयागराज	मूंज उत्पाद	फूड प्रोसेसिंग
मिर्जापुर	कालीन	मेटल उद्योग
रामपुर	पैच वर्क	मेंथा
गोरखपुर	टेराकोटा	रेडीमेड गारमेंट
ललितपुर	जरी सिल्क साड़ी	खाद्य प्रसंस्करण,स्कूल ड्रेस, होजरी